

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

- 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो
- गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्तों में बढ़ाएं निवेश
- इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक के लिए बाजार की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कीमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।



ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 15,000 इक्विटी/फ्लेक्सी-कैप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या इंडेक्स फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी गलती हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

►1. घबराकर सारे शेयर न बेचें : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।

►2. एसआईपी बंद न करें : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।

►3. कर्ज लेकर निवेश न करें : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कर्ज की लागत निश्चित होती है।

►4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।

►5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

नौचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती है और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की फीस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इसमें अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल: जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधें

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय की निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।

लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अचढ़ी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'सही समय का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पुंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश? जानिये क्या है आपके लिए बेहतर

बिजनेस डेस्क

जानकारी

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, प्रियर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए, हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है: मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा



सकता। होम लोन की ब्याज दर आपको निश्चित लागत है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होता। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर

देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे पर्याप्त लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए पहले कम से कम 6 से 12 महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड तैयार रखना बेहतर है। इसके बाद बची रकम को प्रीपेमेंट और निवेश के बीच बांटने पर विचार किया जा सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन

शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सार्वभौमिक जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में है, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी निवेश अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। मायकाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।



पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। क्योंकि ये खाते सामान्य तौर पर क्रेडिट ब्यूरो की क्रेडिट रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होते। वहीं, पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करने से आपके क्रेडिट प्रोफाइल में बदलाव आ सकता है। इसका असर हर व्यक्ति पर अलग हो सकता है और यह उसके कुल क्रेडिट इतिहास, बकया राशि और उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर निर्भर करता है।

वर्षों बदल सकता है स्कोर

बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रेडिट कार्ड बंद करने का एक प्रमुख असर कुल उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति के सभी कार्डों की कुल क्रेडिट लिमिट 3 लाख रुपये है और उस पर 60 हजार रुपये बकया है, तो क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो 20 प्रतिशत होगा। अगर वह 1 लाख रुपये लिमिट वाला एक कार्ड बंद कर देता है तो कुल उपलब्ध लिमिट घटकर 2 लाख रुपये रह जाएगी। वहीं बकया 60 हजार रुपये ही रहने पर क्रेडिट यूटिलाइजेशन बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाएगा। उपलब्ध क्रेडिट की तुलना में ज्यादा इस्तेमाल होना क्रेडिट प्रोफाइल के लिए कम अनुकूल माना जा सकता है।

सबसे पुराना कार्ड बंद करने से बचें

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में भुगतान का रिकॉर्ड, क्रेडिट यूटिलाइजेशन, क्रेडिट हिस्ट्री की अवधि, क्रेडिट मिक्स और हाल की क्रेडिट पूंजीां शामिल हैं। लंबे समय से सही तरीके से संचालित क्रेडिट अकाउंट आपके क्रेडिट व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड उपलब्ध कराते हैं। इसलिए अगर कोई क्रेडिट कार्ड कई वर्षों से चल रहा है और उस पर समय पर भुगतान होता रहा है, तो उसे सिर्फ इसलिए बंद करना उचित नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कम हो रहा है। खासकर ऐसा कार्ड जिस पर वार्षिक शुल्क नहीं है, उसे सीमित और जिम्मेदार इस्तेमाल के साथ सक्रिय रखना क्रेडिट हिस्ट्री बनाए रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुराना कार्ड हमेशा बनाए रखना जरूरी है। अगर कार्ड पर ज्यादा वार्षिक शुल्क है, उसकी जरूरत नहीं है या उसे संभालना मुश्किल हो रहा है तो बंद करने का फैसला किया जा सकता है। बस इससे पहले इसके संभावित प्रभाव को समझ लेना चाहिए।

बैंक खाता बंद करने से सिबिल पर सीधा असर नहीं

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

पुराना कार्ड बंद करने पर क्रेडिट हिस्ट्री व क्रेडिट यूटिलाइजेशन पर असर

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल पर सीधा प्रभाव नहीं

से आमतौर पर सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान छूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑटो-डेबिट, ईएमआई और स्टैंडिंग इस्टिमेट्स को नए सक्रिय खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

कार्ड बंद करने से पहले करें ये काम

- 1. सभी बकया चुकाएं : कार्ड बंद करने से पहले कोई बकया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- 2. सबसे पुराने कार्ड को सुरत बंद न करें : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- 3. क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचेगी, यह जरूर देखें।
- 4. ऑटो पेमेंट बंद करें : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑटो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- 5. क्लोजर की पुष्टि लें : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से क्लोजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। अगर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बढ़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाए 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-

अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है। पलेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड ने पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टाटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों,

सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है।

सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेलथ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। निज फंड मैनेजर्स ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला के मुताबिक पिछले एक

साल में बाजार ने ऐसे फंड मैनेजर्स को पुरस्कृत किया, जिन्होंने सही शेयरों का चुनाव किया। उनके अनुसार डिफेंस, डेटा सेंटर, प्रीमियम कंजमप्शन और सेविंग्स के फाइनैशियलाइजेशन से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला। इसके विपरीत प्रॉपर्टी बैंक और पारंपरिक आईटी कंपनियों में अधिक निवेश रखने वाले कुछ पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहे। इसका कारण इन सेक्टरों का बाजार में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा।

केवल पिछले रिटर्न के आधार पर न करें निवेश

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को किसी फंड का चुनाव करते समय केवल पिछले एक या दो साल के रिटर्न की आधार नहीं बनाना चाहिए। किसी एक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड जरूरी नहीं कि आने वाले वर्षों में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करे। निवेशक को यह समझना चाहिए कि फंड मैनेजर किस तरह की निवेश

रणनीति अपनाता है। इसके साथ ही अलग-अलग मार्केट साइकिल में फंड का प्रदर्शन कैसा रहा है, पोर्टफोलियो किस तरह तैयार किया गया है और उसमें जोखिम का स्तर कितना है, इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए।

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

प्रदर्शन का अंतर

कुछ म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना ​​है कि एक साल में अलग-अलग नकीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियां अव्वल प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन किसी की पूरी तस्वीर नहीं बताता। केडी कैपिटल के सर्टिफाइड फाइनैशियल प्लानर के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा और सभ्य के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।

खबर संक्षेप

चिट्टा सहित आरोपित को दबोचा
नारनौल। सीआईए ने एक व्यक्ति को 4.71 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) सहित गिरफ्तार किया है। डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण ने कहा सीआईए गश्त के दौरान अपराधों की रोकथाम के लिए थाना शहर क्षेत्र में मौजूद थी। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति हेरोइन (चिट्टा) लेकर नलापुर मोहल्ला स्थित संतोषी माता मंदिर के पास खड़ा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत रैडिंग पार्टी गठित की और बताया गए स्थान पर पहुंचकर एक व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में आरोपित की पहचान महेश निवासी मोहल्ला सैनीपुरा महेंद्रगढ़ के रूप में हुई। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में आरोपित की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसकी जेब से एक पॉलीथिन बरामद हुई, जिसमें चिट्टा/हेरोइन पाया गया। बरामद नशीले पदार्थ का इलेक्ट्रॉनिक कंटेनेर से वजन किया गया, जो 4.71 ग्राम निकला।

रक्तदान शिविर 20 को अटेली मंडी में
मंडी अटेली। डीएल डार्क लाइट फाउंडेशन की ओर से स्वतंत्रता दिवस माह के मौके पर 20 अगस्त को अटेली गैस गोदाम के समीप फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। फाउंडेशन के डायरेक्टर लोकेश गुबानी ने बताया कि शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किये जाएंगे।

11, 12 व 13 अगस्त की राज्यव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया मांगों को लेकर जेई एकता का शंखनाद राज्यव्यापी हड़ताल के लिए कसी कमर

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

एचएसईबी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन की ओर से शनिवार को सिरसा में आयोजित जेई एकता एवं संघर्ष कार्यक्रम में इंजीनियर्स ने एकता, उत्साह और संघर्षशीलता का परिचय दिया। कार्यक्रम में रेवाड़ी से भी इंजीनियर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर्स ने संगठन के बैनर तले अपनी न्यायोचित मांगों को जोरदार तरीके से उठाया तथा आगामी 11, 12 व 13 अगस्त की राज्यव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया। मांगों के समाधान संगठन के प्रदेश अ ध य क्ष अभिमन्यु धनखड़ एवं प्रदेश महासचिव विपिन भारद्वाज ने बताया कि 7 अगस्त को आदित्य दहिया प्रबंध निदेशक एचबीपीएनएल/एचपीजीसीएल एवं विक्रम प्रबंध निदेशक यू ए च बी वी ए न ए ल / डीएचबीवीएनएल की संयुक्त



रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद डिप्लोमा इंजीनियर्स संगठन के पदाधिकारी।

अध्यक्षता में एचएसईबी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन की केंद्रीय परिषद की बैठक हुई थी। बैठक में संगठन की ओर से जेई संघर्ष के मांग-पत्र को प्रत्येक मांग को सशक्त, तथ्यपूर्ण एवं तर्कसंगत तरीके से निगम प्रबंधन के समक्ष रखा गया। निगम प्रबंधन की ओर से संगठन की मांगों पर पुनः गंभीरता से विचार करने तथा शोध ही पुनः बैठक आयोजित कर सकारात्मक समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का आश्वासन दिया गया है। संगठन ने स्पष्ट किया कि जब तक जेई संघर्ष की न्यायोचित मांगों

पर ठोस एवं संतोषजनक निर्णय नहीं होता, तब तक 11, 12 एवं 13 अगस्त की राज्यव्यापी हड़ताल की कॉल यथावत रहेगी। संगठन ने दोहराया कि उसका आंदोलन मुख्य रूप से पैरलल लाइसेंसिंग, हरियाणा एग्री डिस्कॉम तथा जेई संघर्ष की वर्षों से लंबित न्यायोचित मांगों के समाधान के लिए है। एचएसईबी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन का मानना है कि बिजली क्षेत्र से जुड़े किसी भी बड़े नीतिगत निर्णय में निगमों के हित, किसान हित, आम उपभोक्ताओं के हित तथा कर्मचारियों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। संगठन ने स्पष्ट किया कि एचएसईबी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन पूर्णतः गैर-राजनीतिक संगठन है। संगठन किसी भी राजनीतिक दल अथवा राजनीतिक विचारधारा से प्रेरित नहीं है। प्रदेश सरकार एवं निगम प्रबंधन के साथ संगठन का उद्देश्य सदैव सकारात्मक संवाद, सकारात्मक समन्वय एवं तथ्यपूर्ण वार्ता के माध्यम से जेई संघर्ष की न्यायोचित मांगों का समाधान सुनिश्चित करना रहा है। संगठन ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार एवं निगम प्रबंधन निगम

हड़ताल की तैयारियां तेज करने का आह्वान

डिप्लोमा इंजीनियर्स संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील यादव ने प्रदेशभर के सभी जेई से अपील करते हुए कहा कि वे आगामी 11, 12 एवं 13 अगस्त की राज्यव्यापी हड़ताल की तैयारियों को और तेज करें तथा प्रत्येक उपमंडल, मंडल एवं जिले में संगठन के कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा, अनुशासन और जोश के साथ सफल बनाएं। प्रदेश महासचिव विपिन भारद्वाज ने कहा कि संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी और जेई संघर्ष के अधिकारी एवं सम्मान की रक्षा के लिए पूरी मजबूती के साथ संघर्ष कर रहा है और संगठन की आगामी कॉल का पूरी एकजुटता एवं अनुशासन के साथ पालन किया जाएगा।

हित, किसान हित, आम जनता हित तथा कर्मचारी हित को ध्यान में रखते हुए संगठन की न्यायोचित मांगों पर समय रहते सकारात्मक एवं ठोस निर्णय लेते हैं, तो संगठन सरकार के इस सकारात्मक कदम का स्वागत करेगा और प्रस्तावित हड़ताल की आवश्यकता ही नहीं रहेगी।

तीन दिन आगे बढ़ी नपा संघ की हड़ताल, पक्का करने की मांग



रेवाड़ी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर शहर में कच्चे सफाई कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। कच्चे सफाई कर्मचारी 13 मई 2025 को सरकार से हुए समझौते को लेकर पक्का करने की मांग कर रहे हैं। शहर के करीब 200 कर्मचारी हड़ताल पर हैं, जबकि 80 के करीब पक्के कर्मचारी हड़ताल में शामिल नहीं हैं। सफाई कर्मचारी मांगों को लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में हड़ताल पर बैठे हुए हैं। नगर पालिका कर्मचारी संघ की ओर से हड़ताल को तीन दिन 11 अगस्त तक और बढ़ा दिया गया है। शनिवार को धरने की अध्यक्षता इकाई प्रधान शिवा गंगाहेड़ी ने की, जबकि मंच संचालन सचिव प्यारेलाल ने किया। इस मौके पर नगर पालिका संघ के इकाई उपप्रधान घनश्याम

वे रहे मौजूद

इस मौके पर एस्केएस के पूर्व प्रधान राजेन्द्र सिंह व कामरेड राजकुमार ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान ईश्वर सिंह बोड़वाल, मौजूद महिला संगठन सचिव, शकुंतला देवी, सरोज, अंजू, रमेश, सुधीर, राहुल व धीरज सहित अनेक सफाई कर्मचारी मौजूद थे। ने कहा कि सरकार कच्चे कर्मचारियों को तुरंत पक्का करें और अदालत के फैसले को लागू किया जाए। वक्ताओं ने कच्चे कर्मचारियों व सीवन मैनों को पक्का करने, पक्का करने तक 30 हजार रुपये मासिक वेतन देने, एक्सप्रेसिया पॉलिसी को सरल करने, छटनीप्रस्त कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस लेने, पे-रोल के फायरमैन व चालकों को पक्का करने व जोखिम भत्ता देने की मांग की।

जिले में आज से लहरेगा हर घर तिरंगा, 17 तक चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

प्रदेश सरकार की ओर से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में रविवार से हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ किया जाएगा, जोकि 17 अगस्त तक व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। वहीं 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर भी विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि इस वर्ष हर घर तिरंगा अभियान वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सरकारी विभागों, शिक्षण संस्थानों, स्थानीय निकायों, सामाजिक संगठनों एवं आम



रेवाड़ी। हर घर तिरंगा अभियान का फाईल फोटो।

फोटो: हरिभूमि

नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रमों में

आधिकारिक स्वरूप में वंदे मातरम का सामूहिक गायन भी कराया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों सहित सभी अधिकारियों और

कर्मचारियों से अभियान में बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता करते हुए सेलफी अपलोड करने का आह्वान किया।

14 को होगा विभाजन पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

डीसी ने बताया कि 14 अगस्त को विभाजन के दौरान प्रभावित हुए लाखों लोगों की स्मृति में राज्य स्तर के साथ-साथ जिला स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका राज्य स्तरीय समारोह जिला गुरुद्वाम में आयोजित होगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नारायण सेनी के मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों में प्रदर्शनी, डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शन, नाट्य मंचन, विभाजन पीड़ित परिवारों के अनुभव साझा करना, तथा शैक्षणिक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला प्रशासन की ओर से विभाजन से प्रभावित परिवारों की कहानियों का संकलन कर नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

शनिवार को मेघवाल उत्थान समिति की ओर से 23 अगस्त को बावल अनाजमंडी में होने वाले अनुसूचित जाति समरसता कार्यक्रम को लेकर अनुसूचित जाति समाज के विभिन्न संगठनों को निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समिति सदस्यों ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समरसता, शिक्षा, सामाजिक उत्थान और भाईचारे को बढ़ावा देना है, जिसको लेकर समिति के पदाधिकारी गांव-गांव जाकर निमंत्रण दे रहे हैं। समिति के



रेवाड़ी। संगठन पदाधिकारियों को निमंत्रण देते हुए समिति के सदस्य।

पदाधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन से समाज को नई दिशा मिलेगी और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे समाज तक पहुंचेगा। समिति सदस्यों ने माता रमाबाई उत्थान

संस्था, अखिल भारतीय मानव कृष्ण निवारण समिति, संत साहेब कबीर संस्था, गुरु रविदास मंदिर एवं हॉस्टल व वाल्मीकी जन कल्याण सभा सहित सभी सामाजिक संस्थाओं को निमंत्रण दिया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 15 अगस्त तक होंगे ऑनलाइन आवेदन: डीसी

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी)-2027 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 अगस्त तक बढ़ाई गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि जिले के ऐसे प्रतिभाशाली एवं आसाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चे राष्ट्रीय पुरस्कार पोटल अवार्ड्स.जीओवी.इन पर निर्धारित अंतिम तिथि तक ऑनलाइन अनुशंसा दर्ज करा सकते हैं। डीसी ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है, जो

मेधावियों को राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगी पहचान



डीसी अभिषेक मीणा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार वीरता, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित छह श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया

कि 15 अगस्त तक 2026 तक 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चे, जिन्होंने किसी क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल की हो अथवा समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य किया हो, पुरस्कार के लिए नामांकित किए जा सकते हैं।

प्रकृति को हरा-भरा रखना हमारी जिम्मेदारी

नारनौल। प्रकृति संरक्षण और पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को सिलारपुर स्थित राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शशिबाला ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। जिले के सभी आयुष संस्थानों में 5000 पौधे लगाने का लक्ष्य लिया है, जिसमें 14 अगस्त को एक साथ सभी योगशालाओं में एक आयुर्वेदिक औषधालयों में पौधे लगाकर पूरा किया जाएगा। इस मौके पर विनोद शर्मा, शकुंतला, रामनिवास, राज्यपाल, धर्मवीर, रामेश्वर, बालकिशन, गंगादत्त आदि मिलकर पौधे लगाए।

पत्नी को बीच सड़क पर पीटने का वीडियो वायरल बाद में उसी के खिलाफ दर्ज करा दिया मुकदमा

हरिभूमि न्यूज ►► बावल

क्षेत्र की एक महिला के साथ उसके पति ने बीच सड़क पर जमकर मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। एक ओर पति महिला को पीटते हुए नजर आ रहा है, तो दूसरी ओर पति ने ही पुलिस को दर्ज शिकायत में पत्नी पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पति की शिकायत पर पुलिस ने पत्नी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जॉर्ज शुरु कर दी।

वायरल हो रहे वीडियो में पत्नी बचाव में जोर-जोर से चिल्ला रही है, जबकि पति उसके साथ बेरहमी से मारपीट करता नजर आ रहा है। आसपास के लोग वहां पहुंचकर बीच-बचाव कराते हैं। बाद में पति



रेवाड़ी। वायरल वीडियो में पत्नी को पीटा पति।

अस्पताल में दाखिल हो जाता है। मेडिको लीगल रिपोर्ट के आधार पर उसने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी ने ही लाठी

पीड़िता ने शराब के नशे में मारपीट का लगाया आरोप

दूसरी ओर महिला ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि उसका पति शराब पीकर अवसर उसके साथ मारपीट करता है। वह खुद नौकरी करके अपना और अपने बच्चों का गुजारा कर रही है। पति आए दिन उसके साथ झगड़ा और मारपीट करता है। एसएचओ फूल कुमार के मुताबिक फिलहाल पति के बयान पर ही महिला के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। महिला के बयान दर्ज करने के बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। लेकर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी पत्नी के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

दक्ष प्रजापति सम्मान समारोह को लेकर आज होगी बैठक

मंडी अटेली। प्रजापति विकास समिति की नौ अगस्त को महाराजा दक्ष प्रजापति सम्मान समारोह को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम कनीना में होना है। जानकारी प्रधान बलवान सिंह ठेकेदार ने देते हुए बताया कि यह बैठक रविवार सुबह 10 बजे एसडीएम कार्यालय के सामने स्थित हरिसिंह प्रजापति की दुकानों पर कनीना में होगी। उन्होंने बताया कि बैठक में समारोह की तैयारियों, आयोजन स्थल, कार्यक्रम की रूपरेखा और विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी

जागरूकता अनजान व्यक्ति के कहने पर कभी भी डाउनलोड न करें कोई एप्लीकेशन

स्क्रीन शेयर ऐप से रहें सावधान, गोपनीय जानकारी हासिल कर खाते से रुपये उड़ा रहे साइबर ठग: एसपी

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिलेवासियों को स्क्रीन शेयर ऐप के माध्यम से बढ़ रही साइबर ठगी के मामलों को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। एसपी ने बताया कि

- केवल साइबर अधिकारिक एप का प्रयोग करें आमजन
- साइबर अपराधी स्वयं को बैंक अ धि का री, कस्टमर केयर, बिजली विभाग, बीमा कंपनी, निवेश सलाहकार, ई-कॉमर्स कंपनी या सरकारी एजेंसी का कर्मचारी बताकर लोगों को फोन करते हैं और उनकी समस्या का समाधान करने

साइबर ठगी से ऐसे करें बचाव



एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा।

ऐप हटाएं और सभी महत्वपूर्ण पासवर्ड बदल दें। बैंक खाते से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत अपने बैंक और साइबर हेल्पलाइन पर सूचना दें।

किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर स्क्रीन शेयर या रिमोट एक्सेस ऐप डाउनलोड न करें। किसी भी व्यक्ति के साथ ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन, सीवीवी, नेट बैंकिंग पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। बैंक, आरबीआई, पुलिस या कोई भी सरकारी विभाग फोन पर स्क्रीन शेयर करने या ओटीपी बताने के लिए कभी नहीं कहता। केवल आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत मोबाइल ऐप का ही उपयोग करें। यदि किसी ने आपके मोबाइल पर स्क्रीन एक्सेस कर ली है तो तुरंत इंटरनेट बंद करें, संबंधित

साइबर ठग उसके मोबाइल की स्क्रीन देख सकते हैं तथा कई मामलों में मोबाइल को दूर से नियंत्रित भी कर लेते हैं। इसके बाद

वे बैंकिंग ऐप, यूपीआई, नेट बैंकिंग, ओटीपी, पासवर्ड एवं अन्य गोपनीय जानकारी हासिल कर खाते से रुपये निकाल लेते हैं।

साइबर ठग उसके मोबाइल की स्क्रीन देख सकते हैं तथा कई मामलों में मोबाइल को दूर से नियंत्रित भी कर लेते हैं। इसके बाद

गांव पाली गोठड़ा में कार्यकारी अभियंता ने सुनी लोगों की बिजली संबंधी समस्या

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

गांव पाली गोठड़ा में कार्यकारी अभियंता ने सुनी लोगों की बिजली संबंधी समस्या को चेक वितरित किए गए। बिजली निगम के एसडीओ एजाज अहमद ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बीपीएल परिवारों को सब्सिडी के तहत चेक सौंपे। सोलर पावर सोल्यूशन खोरी से नीरज भारद्वाज ने बताया कि सरकार की ओर से घर पर सोलर लगवाने के लिए सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने बताया कि जिनकी फैमिली आईडी में इनकम 1 लाख 80 हजार तक है, उनको 2



रेवाड़ी। लाभार्थियों को सब्सिडी के चेक वितरित करते हुए।

किलो वाट पर 60 हजार केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से 50 हजार सब्सिडी दी जाती है। 1 लाख 80 हजार से 3 लाख तक इनकम वाले लोगों को केंद्र सरकार की ओर से 80 हजार रुपए तथा राज्य सरकार की ओर से 20 हजार रुपए सब्सिडी दी जाती है। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता ने सोलर वैंडरों सहित अन्य लोगों की

समस्याएं भी सुनीं। इस मौके पर सरपंच नरेश यादव भांडोर, नरेंद्र चिमनावास, रमाकांत राजपुरा, अकाउंटेंट विवेक, सीसी कविता व तरुण, ईश्वर सिंह पार्ली, रेखा खोरी, जोगेन्द्र खोरी, जयप्रकाश ढाणी संतो, नवीन सुंदरोज, संदीप सुंदरोज, विकास व चरण सिंह राजपुरा सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।



आफत बना राजस्थान का पानी, बरसात के बाद रैंप से शुरू हुआ बहाव

धारूहेड़ा। मानसून की बारिश के चलते राजस्थान के भिवाड़ी कस्बे से पानी आना शुरू हो गया है। भिवाड़ी सीमा पर बनाए गए रैंप से पानी कस्बे की ओर प्रवेश कर गया है। अभी पानी की रफ्तार ज्यादा नहीं है, परंतु अधिक बारिश के बाद पानी तेजी से सेक्टरों में प्रवेश कर सकता है। राजस्थान से आने वाले दूषित पानी को रोकने के लिए लगभग तीन साल पहले सोहना रोड पर रैंप बनाया गया था। यह रैंप काफी विवादित रह चुका है। बारिश का सीजन शुरू होने के बाद पहले भिवाड़ी का पानी राजस्थान की सीमा तक रुका हुआ था। पानी का बहाव बढ़ने के बाद शनिवार को यह रैंप को पार कर गया। रैंप से गुजरते हुए यह पानी सेक्टरों से होते हुए दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे की ओर बह रहा है, जिससे हाइवे पर जलभराव जाम का कारण बन सकता है। अगर इस समय धारूहेड़ा क्षेत्र में अधिक बारिश होती है, तो बरसाती पानी आफत खड़ी कर सकता है। रैंप के पास भारी मात्रा में पानी एकत्रित होने के बाद सोहना नेशनल हाइवे पर छोटे बहावों का आवागमन बुरी तरह बाधित हो गया है। वाहन चालकों को भिवाड़ी और सोहना की ओर आवागमन करने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। जलभराव के कारण दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर भी बार-बार जाम के हालात बन रहे हैं।

डाकघर में रिटायर्ड हेडमास्टर के 74 हजार रुपये उड़ाए

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

डाकघर में पैसे निकलवाने के लिए आए एक रिटायर्ड हेडमास्टर का बैग काटकर 74 हजार रुपये निकाल लिए गए। सिटी पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में रालियावास निवासी युवराज ने बताया कि उसने मकान निर्माण का कार्य शुरू किया हुआ है। वह डाकघर खाते से पैसे निकलवाने के लिए आया था। पैसे निकलवाने के बाद उसने अपने बैग में रख लिए। इसके बाद वह अपनी

मानव जीवन के आधार हैं वृक्ष: डॉ. यादव

प्रांत अध्यक्ष के जन्मदिवस पर लगाए नीम के 50 पौधे

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष डा. आर बी यादव के जन्मदिवस के अवसर पर अंशल सिटी में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश देते हुए 50 नीम के पौधे रोपित किए गए। अभियान में डा. यादव ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधों की सुरक्षा एवं उनके समुचित विकास को ध्यान में रखते हुए ट्रैट्टी गाई भी लगाए गए। इस अवसर पर डा. यादव ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को शुद्ध करने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। बढ़ते दूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानना चाहिए।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, लेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 0853076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छुट राशि
5 × 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्तर के पृष्ठ पर	छ. 1500/-
10X 8 से.मी		छ. 2000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छुट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

13 अगस्त को होगा अंतिम पूर्वभ्यास

भव्य होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह विद्यार्थी बिखेरेंगे देशभक्ति के रंग



रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में परेड की रिहर्सल करते एनसीसी कैडेट्स।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

जिला मुख्यालय नई अनाजमंडी बावल व कोसली में होगा आयोजन शान से लहराएगा तिरंगा

भारत की आजादी की 80वीं वर्षगांठ पर 15 अगस्त को जिला मुख्यालय रेवाड़ी, बावल व कोसली में स्वतंत्रता दिवस समारोह का भव्य आयोजन कर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। नई अनाजमंडी में होने वाले

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल कर रहे हैं। विद्यार्थी पीटी-डंबल, हरियाणवी डांस, राजस्थानी डांस, गुजराती डांस व पंजाबी डांस सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास किया। विद्यार्थियों की ओर से रिहर्सल डीईओ राजेन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में डिप्टी डीईओ राजेन्द्र यादव, बीईओ दुष्यंत, एईओ भूपेन्द्र यादव, एईओ सुनील कुमार, प्रवक्ता ज्योत्सना यादव व पूरम यादव की देखरेख में की जा रही है।

फाइनल रिहर्सल का अवलोकन डीसी अभिषेक मीणा करेंगे

13 अगस्त को रेवाड़ी, बावल व कोसली में स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर फाइनल रिहर्सल आयोजित की जाएगी। नई अनाजमंडी में होने वाली फाइनल रिहर्सल का अवलोकन डीसी अभिषेक मीणा करेंगे। बावल में एसडीएम बावल संजीव कुमार व कोसली में एसडीएम विजय कुमार की देखरेख में फाइनल रिहर्सल आयोजित की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस पर ये स्कूल देंगे प्रस्तुति

पीटी एवं डम्बल शो: इंचार्ज सतीश पीटीआई व अनिल कुमार पीटीआई की देखरेख में राजकीय बाल विद्यालय, राजकीय कन्या विद्यालय, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, जैन पब्लिक स्कूल, होली चार्ल्ड स्कूल, स्वामी उमा भारती स्कूल, सैनी विद्यालय, बालाजी स्कूल व ब्लीस स्कूल के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। पीटी व डंबल में बैंड होली चार्ल्ड स्कूल का रहेगा।
लैंजियम शो: इंचार्ज कुलदीप नरूका डीपीई की देखरेख में केंद्रीय विद्यालय कोनसीवास के 50 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं।
एनसीसी परेड टुकड़ियां: कमांडिंग ऑफिसर की देखरेख में एक जूनियर छात्र एवं छात्राओं की एनसीसी टुकड़ी, दो कॉलेज के छात्र व छात्राओं की सीनियर टुकड़ी तथा सैनिक स्कूल कैडेट्स की टुकड़ी परेड में भाग लेगी।
स्कॉउट: जवाहर नवोदय स्कूल नेवाना की छात्रों की टुकड़ी परेड में भाग लेगी।
गर्ल्स गाइड: राजकीय कन्या विद्यालय की छात्राओं की टुकड़ी परेड में भाग लेगी।
प्रजातंत्र के प्रहरी: में राजकीय कन्या स्कूल की छात्राओं की टुकड़ी परेड में भाग लेगी।
बैंड: होली चार्ल्ड स्कूल की टीम बैंड की प्रस्तुति देगी।
रंगोली व वाउंड लाइटिंग: हिंदू स्कूल, विध्वकर्मा स्कूल, जैन स्कूल व रावमा विद्यालय के छात्र करेंगे।
देशभक्ति डांस: डीपीएस स्कूल के 65 छात्र-छात्राएं डांस की प्रस्तुती देंगे।
पिरामिड डांस: कैम्पेजिज स्कूल के 75 विद्यार्थी पिरामिड डांस की प्रस्तुति देंगे।
पंजाबी भंगड़ा: वीआईपी स्कूल के 115 विद्यार्थी पंजाबी डांस की प्रस्तुति देंगे।
राजस्थानी नृत्य: होली चार्ल्ड स्कूल के 115 छात्र-छात्राएं राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुती देंगे।
हरियाणवी नृत्य: राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की 120 छात्राएं हरियाणवी लोक संस्कृति पर आधारित हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देंगी।
राष्ट्रीय गान: प्रथम इंटरनेशनल स्कूल की 25 छात्राएं राष्ट्रगान की प्रस्तुति देंगी।

यूजी और पीजी कोर्सों में दाखिले की तिथि 31 तक बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► कोसली

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कुण्ड नगर स्थित रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी के सभी कोर्सों की ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी इच्छुक छात्राओं से निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया रीजनल सेंटर में जाकर पूरी करने का आग्रह किया है। निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि रीजनल सेंटर में छात्राओं के लिए आधुनिक नई कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है। छात्राएं बीए, बीएससी, बीकॉम कोर्स में दाखिला लेकर तीन साल में पास कोर्स की डिग्री कर सकती हैं और चार साल में आनर्स डिग्री कर सकती हैं। रीजनल सेंटर के यूजी



और पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए छात्राओं को सबसे पहले सभी जरूरी दस्तावेज के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है, जिसके लिए जनरल की फीस 500 रुपए और एससीबीसी की 125 रुपए है। सरकार की ओर से एससी-बीसी की छात्राओं के लिए स्कॉलरशिप का प्रावधान है, जिसके लिए छात्राओं के पास अपना नया इन्कम सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

रीजनल सेंटर में कोर्सों की उपलब्ध सीटें

नई शिक्षा नीति के अनुसार यूजी कोर्स बीए ऑनर्स मल्टीडिसीपलिनरी की 100 सीटें, बीएससी इन फिजिकल साइंस ऑनर्स नॉन मेडिकल की 60 सीटें व बीकॉम की 60 सीटें हैं तथा पीजी कोर्स एमए अंग्रेजी 30 सीटें तथा एमए राजनीति विज्ञान में 40 सीटों के लिए ऑनलाइन दाखिले सीधे हो रहे हैं। डॉ.आर्जिनेटर डा. अनिल कुमार ने बताया कि रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी कोर्सों में बीए प्रथम सेमेस्टर की फीस 3850 रुपए, बीएससी नॉन मेडिकल प्रथम सेमेस्टर की फीस 4260 रुपए, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर की फीस 4950 रुपए तथा एमए अंग्रेजी व एमए राजनीतिक विज्ञान के प्रथम सेमेस्टर की फीस 9250 रुपए हैं।

25 लाख की ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

■ पुलिस ने अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिए

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

थाना बावल पुलिस ने स्कैप कारोबारी को माल मुहैया कराने के नाम पर 25 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। बावल की दुर्गा कॉलोनी निवासी जोगेंद्र जांगड़ा ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह विश्वकर्मा एंटरप्राइजेज नाम से स्कैप का कारोबार करता है। उसकी व्हाट्सएप



के माध्यम से पिपूष कुमार खेतान और संजीव खेतान से बातचीत होती थी। दोनों ने खुद को तांबे के स्कैप का सप्लायर बताते हुए सस्ती दरों पर माल उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। 7 नवंबर 2025 को पिपूष ने दिल्ली स्थित एक गोदाम का पता देकर वहां से स्कैप लोड करवाने के लिए ट्रक भेजने को कहा। इसके बाद व्यापारी ने ट्रक उनके बताए पते पर भेज दिया।

आरोपियों ने माल की तस्वीरें, वीडियो और वजन पर्वी भेजकर ट्रक में स्कैप लोड होने की जानकारी दी। इसके बाद अंभि एंड कंपनी के नाम से करीब 51.29 लाख रुपये का ई-चालान और ई-वेबिल भी भेजा गया। बाद में जांच में ये दस्तावेज फर्जी पाए गए। 8 नवंबर को पिपूष ने रकमी खान से व्यापारी की फोन पर बात कराई और उसे गोदाम भेजा। वहां समीम और सुरेश यादव ने भरा ट्रक दिखाया तथा माल रिलीज करने से पहले भुगतान करने की बात कही। उसने आरोप लगाया था कि धोखाधड़ी में माहिर इन लोगों उसे 25 लाख की ठगी का शिकार बना दिया।

आस्था शिव भक्तों की सेवा में जुटे लोग, भोजन का कर रहे इंतजाम

बोल बम से गूंजा दिल्ली-जयपुर हाइवे, हरिद्वार से गंगाजल भरकर लौटने लगे कांवड़िये



रेवाड़ी। कांवड़ लेकर धारूहेड़ा से गुजरते कांवड़िये तथा सेवा शिविर में विश्राम करते कांवड़िये।

हरिभूमि न्यूज़ ►► धारूहेड़ा

कांवड़ियों को चिकित्सा सेवा भी कराई जा रही उपलब्ध

श्रावण मास की शिवरात्रि के उपलक्ष्य में हरिद्वार और नीलकंठ से कांवड़ में गंगाजल लेकर आने वाले कांवड़ियों का आना शुरू हो गया है। कांवड़ियों की ओर से अपने ईष्ट आराध्य देव महादेव का शिवरात्रि पर्व पर गंगाजल से जलाभिषेक करने के साथ-साथ पूजा अर्चना की जाएगी। कांवड़ियों के बोल बम-बोल बम के

जयघोष से दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग गुंजन लगा है। प्रत्येक वर्ष हरियाणा व राजस्थान के हरिद्वार, भरतपुर, भिवाड़ी, खैरथल, बहरोड़, नीमकाथाना, निजामपुर, व माधोपुर सहित अनेक स्थानों से कांवड़िए हरिद्वार से कांवड़ लेकर बोल-बोल बम के जयघोष के साथ एनएच-48 होते हुए धारूहेड़ा से गुजरते हैं। काफी कांवड़िये पैदल कांवड़ लेकर आते हैं, जबकि कुछ युवा डाक कांवड़ लेकर आते हैं। राजस्थान के खेड़ली, लक्ष्मणगढ़ व मालाखेड़ा से कांवड़ लेने हरिद्वार गए कांवड़िए



फोटो : हरिभूमि

कांवड़ियों के लिए वनाए गए हैं विश्राम स्थल

गुरुग्राम से धारूहेड़ा मार्ग से निकलने वाले कांवड़ियों के लिए जगह-जगह आराम करने, खाने-पीने का इंतजाम किया गया है। जहां पर कांवड़िए अपनी थकान दूर कर रहे हैं। जिला पुलिस भी कांवड़ियों को लेकर विशेष नजर बनाए हुए है ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेश मीणा भी कांवड़ियों के रुकने की जगहों का निरीक्षण कर चुके हैं। एसपी ने कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर सभी थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश दिए हुए हैं।

लौटने शुरू हो गए हैं। थकान के बावजूद इनमें काफी उत्साह है। कांवड़ियों के विश्राम के लिए दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई जगह कांवड़ सेवा शिविर लगाए

न्यूज़ डायरी

जिला स्तरीय सब-जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में लाधूवास की टीम बनी विजेता

रेवाड़ी। जिला बास्केटबॉल संघ की ओर से शनिवार को ब्लीश स्कूल में जिला स्तरीय सब-जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर संघ में सचिव लखमीचंद, अनिल डागर, विनय कुमार व अमित धनखड़ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल की प्रधानाचार्या ममता ने किया। प्रतियोगिता में 6 टीमों ने भाग लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में लाधूवास की टीम विजेता, जबकि टेंगौर स्कूल की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से चयनित खिलाड़ी 21 अगस्त से पंचकूला में आयोजित होने जा रही राज्य स्तरीय सब-जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में रेवाड़ी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बाबा मोहनदास धाम में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 11 से 17 अगस्त तक

रेवाड़ी। गांव भाड़ावास स्थित बाबा मोहनदास धाम में संत शिरोमणि बाबा मोहनदास के शिष्य वैद्यक महाप्रभु की 439वीं वार्षिकोत्सव पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन 11 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। सोमवार 17 अगस्त को रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक जागरण का आयोजन होगा। इसके बाद 18 अगस्त को सुबह 8 बजे से प्रभातफेरी तथा मंडार का आयोजन किया जाएगा। आश्रम के महंत महावीर दास ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन अस्थल बाबा मोहनदास धाम गांव भाड़ावास में किया जाएगा। कथा का वाचन वृंदावन धाम से डा. नरेश चंद शर्मा करेंगे। भागवत कथा का आयोजन सुभाष डूंडाहेड़ा की देखरेख में किया जाएगा, जबकि श्याम सुंदर एंड पार्टी की ओर से कौतन किया जाएगा।

राष्ट्रीय कवि संगम परिवार की काव्य गोष्ठी आज, पुस्तक का भी होगा विमोचन

रेवाड़ी। राष्ट्रीय कवि संगम परिवार के तत्त्वधान में 9 अगस्त को सुबह 10 बजे मिर्जी इस्टिट्यूट में पुस्तक-लोकार्पण एवं काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार दर्शन शर्मा जिज्ञासु की कृति में एक पहली का लोकार्पण भी किया जाएगा। यह पुस्तक का रूप में ममत्व, त्याग और संवेदनताओं को समर्पित एक विशिष्ट साहित्यिक कृति है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं चौफट्ट मनुमुक्त मानव मेमोरियल ट्रस्ट नानोनील डा. रामनिवास मानव होने तथा अध्यक्षा वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद प्रो. रमेशचंद्र शर्मा करेंगे। संस्कृति लेखक एवं पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं पब्लिक एजुकेशन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सतेंद्र प्रसाद अग्रवाल विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि सुभाष गुप्ता चैयरपर्सन इस्टिट्यूट स्वागत अध्यक्ष के रूप में अतिथियों का अभिवादन करेंगे। काव्य-गोष्ठी में जिले एवं आसपास के अनेक प्रतिष्ठित कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। राष्ट्रीय कवि संगम के जिला अध्यक्ष डा. मुकुट अग्रवाल व जिला महामंत्री अरुण गुप्ता ने सभी साहित्यकारों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं साहित्यप्रमियों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

विशेष शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित



रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को विद्यार्थियों की उत्कृष्टशैक्षणीय शैक्षणिक उपलब्धियों के सम्मान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आईआईटी, नीट, सीए फाउंडेशन तथा व्हाट्सएप जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षाओं एवं संस्थानों में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। राज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यार्थियों का चयन आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रूड़की, आईआईटी जम्मू, आईआईटी इलाहाबाद व आईआईटी कोट के प्रतिष्ठित संस्थानों में हुआ है। स्कूल के 6 विद्यार्थियों का आईआईटी में चयन हुआ। सीए फाउंडेशन परीक्षा में स्कूल के विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की, जो रेवाड़ी जिले में सर्वाधिक है। दिल्ली विश्वविद्यालय के 30 से अधिक विद्यार्थियों का देश के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों एवं शीर्ष संस्थानों में चयन हुआ। विद्यार्थियों को मिरांडा हाउस, हिंदू कॉलेज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों सहित कई अन्य शीर्ष महाविद्यालयों में चयन हुआ है। विद्यार्थ्यक लक्ष्मण यादव ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन के बाद पर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। समारोह में चैयरमैन राजेंद्र सैनी, डायरेक्टर नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी, हेमंत सैनी व सुमित यादव कॉर्डिनेटर सहित विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित थे।

सिविल अस्पतालकर्मों की मोटरसाइकिल चोरी

करने का आरोपी गिरफ्तार रेवाड़ी। गत जून माह में सिविल अस्पताल से एक कर्मचारी की बाइक चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। जैतड़ावास

पुलिस ने कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत के तहत आरोपी को भेजा जेल

निवासी हरीश कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह 20 जून को बाइक लेकर ड्यूटी के लिए अस्पताल आया था। उसने अपनी बाइक नंबर अस्पताल के नए ब्लॉक के सामने खड़ी की थी। दोपहर के समय ड्यूटी खत्म करने के बाद वह बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के खैरथल के मोहल्ला पाटनिया निवासी मोनू कुमार को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। चोरी की बाइक पुलिस पहले ही बरामद कर चुकी है।